MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Tapping of telephones of highly placed people in the Government and Private Sector by a corporate house

श्री शरद यादव (बिहार): उपसभापति जी, मैं एक गंभीर मामले को आपके और इस सदन के सामने उठाना चाहता हूँ। यह एक ऐसी विकट समस्या है, जिसमें देश का एक कॉरपोरेट हाउस, एक पूँजीपति, एक थैलीशाह अपने कर्मचारियों से पूरे देश के बजट को निकलवा लेता है। राष्ट्रीय सलाहकार यानी एनएसए हैं, मंत्री हैं, जज हैं, कैसे appointments हों — जो पूँजीपति है, वह सरकार का जो बजट है, उसको निकाल लेता है। मैं यह बताना चाहता हूँ कि इस गम्भीर घटना पर सरकार ने क्या काम किया। इस सरकार ने किसी तरह से चेहरा बचाने के लिए उसके जो कारकून हैं, उसके जो कर्मचारी हैं, उनको गिरफ्तार कर लिया। महोदय, यह मामला मैंने इसलिए उठाया है, क्योंकि यह आंतरिक सुरक्षा का मामला है, बाह्य सुरक्षा का मामला है, राजनैतिक सुरक्षा का मामला है और हमारी आर्थिक सुरक्षा का मामला है। इस सदन और उस सदन के लोगों को 125 करोड़ लोग चुनकर भेजते हैं। इस टैपिंग कांड का मामला "इंडियन एक्सप्रेस" के माध्यम से पूरे देश के सामने आया। इस सरकार ने उस पर क्या कदम उठाया है? उसने सिर्फ यह कदम उठाया है कि उसके जो कर्मचारी हैं, उनको गिरफ्तार कर लिया। वे किसके कर्मचारी हैं? वे किस कॉरपोरेट हाउस के लिए यहां काम कर रहे थे? वे किस थैलीशाह के लिए काम कर रहे थे? यानी, सीधी बात यह है कि उसको गिरफ्तार करना चाहिए, लेकिन कर्मचारियों, चपरासियों और उन तमाम लोगों को गिरफ्तार करके आप इससे अपना चेहरा नहीं बचा सकते। इसमें और क्या बचा है? आखिर सदन क्यों चल रहा है, चुनाव क्यों हो रहे हैं, संविधान क्यों है? इन सारी चीज़ों को पार करके, एक ऐसा इंस्ट्रुमेंट आया हुआ है, जिससे किसी की भी चर्चा और किसी की भी बातचीत को आप टैप कर सकते हैं। सरकार इस मामले को किसी तरह से hush-up करना चाहती है और इस पर बोलने तक को तैयार नहीं है। सरकार की अपनी तरफ से बयान आना चाहिए था, वह नहीं आया। वह इस मामले में सो रही है और लगता है कि वह इन लोगों से मिली हुई है। महोदय, यह एक गंभीर मामला है और जिस आदमी ने यह काम करवाया है, जिसके कर्मचारियों ने करवाया है, उन आदमियों को पकड़ना चाहिए जिससे कि आने वाले समय में, यह जो crony capitalism है और इन पूंजीपतियों का जिस तरह से हौसला बढ़ा हुआ है, उसे तोड़ा जा सके। यही मेरी विनती है।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, मैं इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार): महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (Gujarat): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Need to take steps to ensure utilization of cess collected from various sources

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, while the Government is peddling cooperative federalism, I am very happy that you have allowed this Zero Hour